>

Title : Need to restore student unions in central teaching institutes in the country.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से देश का जो एक बहुत बड़ा वर्ग है- नौजवानों का, युवाओं का, छात्रों का - उस वर्ग की एक गंभीर समस्या आपके सामने रखना चाहता हूँ। हमारे देश का राष्ट्रीय आंदोलन रहा हो ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इतने विस्तार में नहीं, संक्षेप में बोलिये।

श्री धर्मेन्द्र यादव : मैडम प्लीज़। हमारे देश का राष्ट्रीय आंदोलन रहा हो या जयप्रकाश नारायण जी का आंदोलन रहा हो, हर आंदोलन में और देश के निर्माण में नौजवानों और छात्रों की विशेष भूमिका रही है। जहाँ देश के अंदर युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की हर स्तर पर चर्चा चल रही है, सत्ता के गलियारों में भी चल रही है, मीडिया में भी चल रही है और हर जगह चल रही है कि छात्रों और नौजवानों को आगे बढ़ाया जाए, वहाँ बड़ी अजीब विडंबना है कि जो केन्द्र सरकार छात्रों और नौजवानों को इतना आगे बढ़ाने का ढिंढोरा पीट रही है, उस केन्द्र सरकार की देख रेख में चलने वाले अधिकांश विश्वविद्यालयों के छात्र संघ आज पूरी तरह से भंग पड़े हुए हैं। [b40] जामिया मिलिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बीएचयू हो अथवा देश के किसी भी कोने का विश्वविद्यालय हो, अधिकांश छात्रसंघों को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। उससे भी गंभीर विडंबना यह है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय जो कि वर्ष 2005 में केन्द्रीय विश्वविद्यालय बना था, जब तक वह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार की देखरेख में चला, तब तक वहां छात्रसंघों के लगातार चुनाव होते रहे और छात्रों के नेतृत्व को आगे बढ़ाने का काम किया गया। लेकिन जब से वह केन्द्रीय विश्वविद्यालय बना है, तब से वहां आज तक एक बार भी चुनाव नहीं हुए हैं। इसलिए हम आपके माध्यम से प्रार्थना करेंगे कि हर तरह की ट्रेनिंग होती है, डॉक्टर, इंजीनियरिंग, वकीलों की ट्रेनिंग होती है, लेकिन राजनीति की नर्सरी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप केन्द्र सरकार से क्या चाहते हैं, वह बताइए।

श्री धर्मेन्द्र यादव : छात्रसंघों के चुनावों को बहाल करने की कृपा केन्द्र सरकार करे, आपके माध्यम से हम प्रार्थना करना चाहते हैं।

महोदया, नौजवानों को संरक्षण दिया जाए, इसके लिए विशेष रूप से आपसे प्रार्थना करना चाहते हैं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।